हर घर नल जल योजना में पाकुड़ और गोड्डा फिसड्डी

चर्चा में क्यों?

29 नवंबर, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार 'जल जीवन मिशन' के तहत चल रही 'हर घर नल जल योजना' में झारखंड के पाकुड़ और गोड्डा ज़िले देश के सबसे पिछड़े ज़िलों में शामिल हैं।

प्रमुख बिंदु

- झारखंड के पाकुड़ ज़िले में केवल 11.33 प्रतिशत घरों तक ही नल से जल पहुँच पाया है। यहाँ कुल घरों की संख्या 2,26,943 है, जबकि अब तक यहाँ केवल 25,711 घरों तक ही नल से जल पहुँचाया जा सका है।
- झारखंड के गोड्डा ज़िले में केवल 18.23 प्रतिशत घरों तक ही नल से जल पहुँच पाया है। यहाँ कुल घरों की संख्या 3,02,773 है, जबकि अब तक यहाँ केवल 55,200 घरों तक ही नल से जल पहुँचाया जा सका है।
- इस योजना के अंतर्गत झारखंड के सिमडेगा ज़िला की प्रगति राष्ट्रीय औसत के करीब पहुँच गई है। यहाँ 70.88 प्रतिशत घरों में नल से जल पहुँच गया है। यहाँ कुल घरों की संख्या 1,30,075 है, जिसमें से 92,196 घरों तक शुद्ध पेयजल पहुँच गया है।
- अब तक मिले आँकड़ों के अनुसार, देश में हर घर जल योजना की प्रगति 71.07 प्रतिशत है, जबकि राष्ट्रीय औसत के मुकाबले झारखंड 25 प्रतिशत पीछे है। यहाँ अब तक लगभग 46 प्रतिशत घरों तक ही शुद्ध पेयजल पहुँचाया जा सका है।
- अब भी राज्य की 54 प्रतिशत आबादी पानी के लिये चापाकल, कुआँ, नदी-नालों एवं अन्य प्राकृतिक स्रोतों पर निर्भर है।
- राज्य सरकार 61.76 लाख घरों में से 28.33 लाख घरों तक पाइपलाइन से पानी पहुँचा पाई है।
- हालाँकि मौजूदा वित्तीय वर्ष में झारखंड में काफी तेजी से कार्य हुआ है। पिछले आठ महीनों के दौरान लगभग 7.91 लाख घरों में शुद्ध पेयजल पहुँचाया गया है।
- गौरतलब है कि वर्ष 2019 में केंद्र सरकार द्वारा 'जल जीवन मिशन योजना' की शुरुआत की गई थी।

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/pakur-and-godda-lag-behind-in-every-household-tap-water-scheme